विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

वर्ष 15 अंक 150
पृष्ठ 16+4=20
पटना, बुधवार
10 सितंबर 2014
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 2.50

पटना का नं. 1 अखबार

आइसीसी ने अजमल पर लगाया प्रतिबंध 14

संबंधों को नई ऊंचाई देंगे मोदी-ओबामा 16

www.jagran.com

बिहार • झारखंड • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखण्ड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्र

कृषि से ही सूबे का विकास संभव : रामाधार

जासं, पटना : सरकार, मीडिया और समाज के संयुक्त प्रयास से ही सूबे की स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। सरकार एवं मीडिया को कृषि को प्राथमिकता देने की जरूरत है। कृषि की खबरों को मीडिया प्रमुखता से प्रकाशित करना शुरू करे तो राज्य के किसानों की माली हालत में सुधार हो सकता है। कृषि के विकास से ही सूबे का विकास संभव है।

ये बातें मंगलवार को बिहार वाटर डेवलपमेंट सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में राज्य किसान आयोग के पूर्व अध्यक्ष रामाधार ने कहीं। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों पर सरकार ध्यान नहीं देगी तब तक कृषि का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए मीडिया को आगे आना होगा।

- किसानों की हालत में सुधार होने पर होगा प्रदेश का विकास
- वाटर डेवलपमेंट सोसायटी की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने रखे विचार

मीडिया ही किसानों की बात को सरकार तक पहुंचा सकती है। अतिथियों का स्वागत करते हुए सोसायटी के निदेशक फादर अमल राज ने कहा कि किसान संगठित होकर प्रयास करें तो बहुतहद तक उन्हें सफलता मिल सकती है।

किसान अपनी बात कहने के लिए आगे आएं, सरकार जरूर सुनेगी। सरकार कृषि के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कृषि वैज्ञानिक आरपी सिन्हा ने कहा कि मीडिया को किसानों की समस्याओं के प्रति विशेष ध्यान देने की जरूरत है, ताकि समाज का पिछड़ा वर्ग भी आगे बढ़ सके। जब तक प्रदेश के किसानों की हालत में सुधार नहीं होगा तब तक प्रदेश के विकास की कल्पना करना बेकार है। कार्यशाला में राज्य के कोने-कोने से आए विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।